॥ મહાવીરાય નમઃ ॥ ॥ શ્રી વીતરાગાય નમઃ ॥ ॥ નમો નાણસ્સ ॥

શ્રી બૃહદ્ મુંબઈ વર્ધમાન સ્થાનકવાસી જૈન મહાસંઘ

સંચાલિત માતુશ્રી મણિબહેન મણશી ભીમશી છાડવા (સામખીયારીવાળા)
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ આયોજીત વાર્ષિક પરીક્ષા જૈનશાળાનું પેપર

તા. ૧૧/૦૧/૨૦૧૫ સમય : ૯ થી ૧૨ શ્રેણી : २ કુલ ગુણ : ૧૦૦

प्र-१ (अ) नीचे दिये हुए पाठों की पूर्ति करो। (१२)
(१) लोगस्स ...... अरिहंते (२) इच्छामि ...... निसीहियाए
(३) शंका ...... परपासंड संथवो (४) आणवणप्पओगे ...... बहिया पोग्गल पक्खेवे (५) न फासियं ...... न सोहियं (६) आगमे ... सुत्तागमे

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो। (१०)
(१) नमंसामि ..... कल्लाणं (४) उत्तमणिया विहिए ...... अब्भंगणा विहिए
(२) तिन्नाणं ..... बोहयाणं (५) सचित्त निक्खेवणया ..... परोवएसे
(३) उस्सुत्तो ..... अकरणिज्जो

(क) गुजरातीमें अर्थ लिखो। (१०)
(१) नमो अरिहंताणं (२) मट्टी (३) आयरियाणं (४) ठाणेणं (५) जीवियाओ
(६) उसभ (७) तिविहेणं (८) जिय भयाणं (९) बेइंदिया (१०) न आराहियं

(ड) नीचे दिये हुए अर्थ के मागधी लिखो। (४)
(१) पाँच अतिचार (२) धर्मनी आदि करनार
(३) उपाध्याय भगवंतोने नमस्कार हो। (४) त्रणवार

(इ) सामायिक के दोष लिखो। (३)
(१) मननो - बीजो (२) वचनने - पाँचमो (३) कायानो - १ लो

प्र-२ (अ) प्रश्नों के जवाब लिखो। (२०)
(१) विराधनाना प्रकार केटला छे? (५) नमोत्थुणं ने बीजा क्या नाम छे?
(२) पाणां अेटले शुं? ने केटला छे? (६) अतिक्रम अेटले शुं?
(३) तीर्थंकरो कोई उपर प्रसन्न थाय छे? (७) सामायिकमां केवी प्रवृत्ति करवी जोईये (२ मुद्दा) (२)
(४) सामायिकनो ओछामां ओछो समय केटलो? (८) शल्य अेटले शुं? ने केटला छे? (२)

(ब) जोडी बनाओ।

(अ)	(ब)
(१) विराधना	(१) दीक्षा
(२) कम्माणं	(२) चाँद अने सूर्यनी उपमा
(३) तीर्थंकर	(३) जीवोनी हिंसा
(४) साधुनी सामायिक	(४) ८ कर्म (५) ४८ मिनिट

(क) खरा-खोटा लिखो। खोटा हुआ तो सुधारके लिखो। (३)
(१) काउस्सग्ग अेटले शरीरनो राग करवो।
(२) लोगस्सनो पाठ शाश्वत छे।
(३) सामायिक ३५ दोष टाळीने थाय छे?

प्र.३ (अ) एक वाक्यमें जवाब लिखो। (१०)

(१) अंजलीकरण क्या शब्दथी करवामां आवे छे? (२) जे कायम ना टकवानुं होय अेना पर शुं न कराय? (३) आ दुनिया शानाथी भरेली छे? (कोईपण २) (४) सेवा माटे कोने याद करीशुं? (५) दुनियामां मारुं शुं नथी? (६) सानवृध्धिना कोईपण बे कारणो लखो? (७) मोक्षमां आत्माने शुं कहेवाय? (८) पू. साधु-साध्वीजी कैवो उपदेश आपे छे? (९) सुखथी शुं न करवुं? (१०) विनय कोना जेवो करशुं?

(ब) जवाब लिखो। (६)

(१) अभिगम अेटले शुं? ते केटला छे? (फक्त अंक)

(२) शुं वश करवाथी अने केवुं तप करवाथी ज्ञान वधे?

(३) आत्मानुं वजन केटलुं? मोक्षमां शुं होय छे?

(क) रिक्तस्थानोमें योग्य विकल्प लिखो। (२)

(१) जेमां जीव होय तेने .... कहे छे।

(अ) अचेत (ब) सचेत (क) उत्तरासंग

(२) नाशवंत वस्तुओ जाणी तेना पर .... ना करवुं।

(अ) ममत्व (ब) दुःख (क) उपाधि

(ड) मुझे बताओ, मैं कौन हूँ? (२)

(१) कष्टो सहन करीने मारा जेवा सहनशील बनो।

(२) मोक्षमां गया पछी हुं आंखो द्वारा देखातो नथी।

(३) मारा जेवा त्यागी बनो।

(४) मारुं पालन करीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे।

प्र.४ कथा के आधार पर प्रश्नोंके जवाब लिखो। (१०)

(१) पार्श्वनाथ भगवाने कोने बचाव्यो? तापस मरीने क्यां उत्पन्न थयो?

(२) चंदनबाळा केटला साध्वीना गुरुणी बन्या? अेमनी माताअे शील बचाववा शुं कर्युं?

(३) नंदीषेण मूनिना जीवन परथी आपणे शुं बोधपाठ लेवो जोईये? (२ मुद्दे)

(४) किसने किससे कहा? (४)

(१) "अरे छोकरा! तुं केवो बकवाट करे छे?"

(२) "बा! जो आम न थयुं होत तो भगवानने आहार वहोरावववानुं सौभाग्य मने केवी रीते प्राप्त थात?"

(३) "अरे भाई! तुं आ शुं करे छे?"

(४) "आ त्रणे लोकना नाथने कष्ट आपीने शा माटे तुं पाप कर्मोथी भारे बनी रह्यो छे?"

प्र-५ काव्य पूर्ति करो। (१०)

(१) ओ प्रभु! तारा चरणकमलमां .... तुंज हाथे सुकान छे।

(२) परमात्मा उपकारी .... हुं हीणपत मानुं छुं।

(३) हे! परमात्मा तमे जे दीधा छे .... वर्तन रहेशे अमारुं।

(४) सिध्ध परमात्मा मोक्षमां बिराजे .... ज्ञान मेरु बगीचे रमनार।